भारत सरकार
शहरी विकास मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3238

21 दिसम्बर,2011 को उत्तर के लिए

'kgjh fodkl ;kstuk,a

3238- Jh ekgEen vyh [kku%
Jherh Vhñ jRukckbZ%

D;k 'kgjh fodkl ea=h ;g crkus dh d`ik djsaxs fd%

¼d½ D;k ljdkj thou dh xq.koÙkk esa lq/kkj djus gsrq 'kgjh fodkl ;kstukvksa dks vfHklfjr djus ij dk;Z dj jgh gS(

¼[k½ ;fn gka] rks rRlaca/kh C;kSjk D;k gS vkSj bl laca/k esa iR;sd jkT; ds fopkj D;k gSa(vkSj

¼x½ ;fn ugha] rks mlds dkj.k D;k gSa\

उत्तर
शहरी विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सौगत राय)

(क) से (ग) : इस समय शहरी विकास परियोजनाओं को समाभिरूप बनाने की ऐसी कोई योजना नहीं है । तथापि, 3 दिसंबर, 2005 को शुरू किए गए जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन (जेएनएनयूआरएम) के अंतर्गत जिसमें कि बडे शहरों और छोटे कस्बों के लिए जल आपूर्ति, सीवरेज आदि की मौजूदा योजनाओं को शामिल किया गया है, केन्द्रीय सरकार 1 मिलियन से भी अधिक जनसंख्या वाले सभी शहरों सहित अभिज्ञात किए गए 65 शहरों और राज्यों की राजधानियों और धार्मिक/पर्यटन और ऐतिहासिक महत्ता के अन्य शहरों/केन्द्र शासित प्रदेशों में जल आपूर्ति, सीवेज, ठोस कचरा प्रबंधन और शहरी परिवहन जैसी बुनियादी सेवाओं सहित अवसंरचना का विकास करने के लिए सुधार-संबद्ध सहायता प्रदान कर रही है । इसके अतिरिक्त जेएनएनयूआरएम के घटक, छोटे और मझोले कस्बों के लिए शहरी अवसंरचना विकास योजना (यूआईडीएसएसएमटी) के द्वारा एक मिलियन से कम की जनसंख्या वाले छोटे और मझोले कस्बों में इसी प्रकार की अवसंरचनात्मक सुविधाएं प्रदान की जाती हैं ।

इसके अतिरिक्त शहरी क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए शहरी विकास मंत्रालय द्वारा जल आपूर्ति, सीवेज और ठोस कचरा प्रबंधन के लिए योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं । इनमें शामिल हैं : (1) पूर्वोत्तर क्षेत्रीय शहरी विकास कार्यक्रम (एनईआरयूडीपी), (2) सिक्किम सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) राज्यों के लाभार्थ 10% एक मुश्त सहायता योजना, (3) शहरी स्थानीय निकायों के लिए क्षमता निर्माण योजना और (4) सात बडे शहरों के आस-पास सेटेलाईट कस्बों में शहरी अवसंरचना विकास योजना (यूआईडीएसएसटी) । इनके अतिरिक्त शहरी क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए ब्रिहन मुंबई वर्षा जल निकासी परियोजना (बीआरआईएमएसटीओडब्ल्यूएडी) और चेन्नई के निकट नेम्मेली में 100 एमएलडी विलवणीकरण संयंत्र का भी अनुमोदन किया गया है ।

-*-*-*-*-*-*-*-*-